Synergy

BSES
BSES Yamuna Power Limited

... दिल्ली सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम

मई–जून 2011

बिजली की कीमत के विभिन्न पहलू

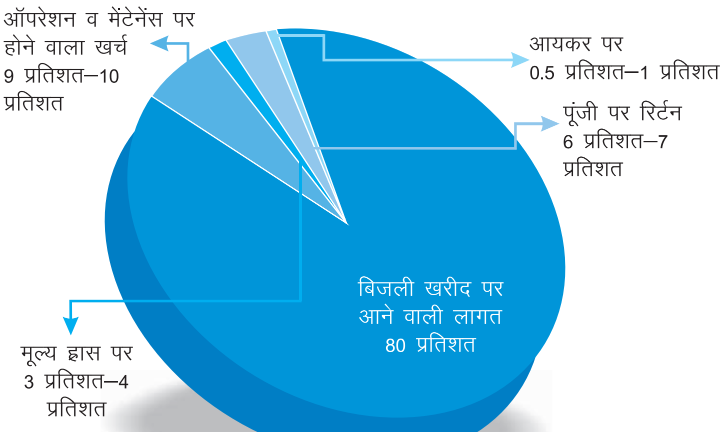

स्रोतः हिन्दुस्तान टाइम्स में 10 अप्रैल को छपा डीईआरसी विज्ञापन

बिजली की बढ़ती कीमतें

बिजली की उपलब्धता कम है। यह महंगी है। और, खासकर जब इसे खुले बाजार से खरीदा जाता है, तो यह और खर्चीली हो जाती है। बीवाईपीएल एक बिजली वितरण कंपनी है (यह बिजली का उत्पादन नहीं करती)। दिल्ली पावर परचेज ग्रुप की मदद से, यह उड़ीसा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से बिजली खरीदती है।

पिछले नौ सालों में थोक बिजली की खरीद की औसत कीमत में 228 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस खर्चे को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। 2002 में जहां थोक बिजली औसतन 1.32 रूपये प्रति यूनिट की दर से उपलब्ध हो जाती थी, वहीं 2010–11 में इसकी औसत कीमत 4.33 रूपये प्रति यूनिट पड़ रही है (चार्ट देखें)। गर्मी की चुनौतियों से निपटने में हमें आपका सहयोग चाहिए। याद रखें, बिजली का समझदारी से इस्तेमाल करें, खासकर पीक आवर (दोपहर 2 बजे से 4 बजे शाम और रात 8 से 11 बजे के बीच) के दौरान।

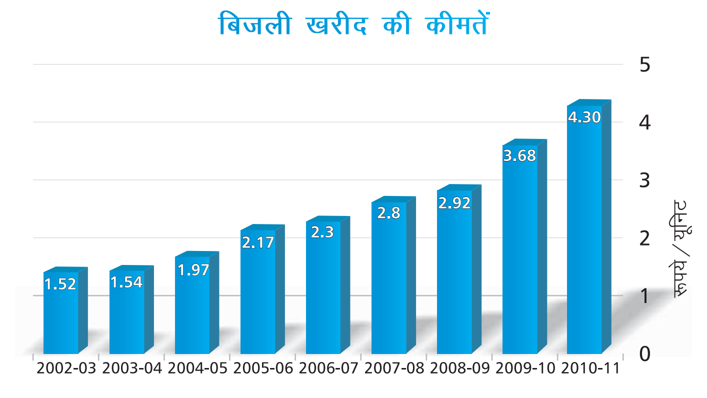

पब्लिक नोटिस

ध्यान दें!

बिजली की खपत को तय लोड के अंदर ही रखें

ओवरलोडिंग से ब्रेकडाउन होता है, जीवन खतरे में पड़ता है और यह गैरकानूनी भी है

दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के दिशानिर्देशों के मुताबिक, उपभोक्ता के सैंक्शंड लोड का वार्षिक आधार पर संशोधन किया जाएगा। यह पिछले वित्त वर्ष के 12 महीनों के दौरान, उपभोक्ता के बिजली

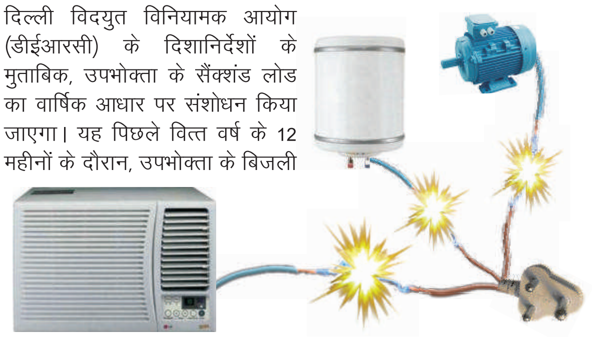

मीटर की रीडिंग की तीन अधिकतम मांगों (एमडीआई) के औसत (अगले पूर्ण नंबर का राउंड ऑफ) पर आधारित होगा। इसी औसत के आधार पर, बिजली कंपनी द्वारा उपभोक्ता के सैंक्शंड लोड में संशोधन किया जाएगा।

उपभोक्ता जितने लोड के इस्तेमाल के लिए अधिकृत है, उससे अधिक के इस्तेमाल पर, डीईआरसी द्वारा स्वीकृत मौजूदा दरों के हिसाब से सिक्युरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा जमा) लिया जाएगा। इस जमा राशि पर उपभोक्ता को 6 प्रतिशत वार्षिक दर के हिसाब से ब्याज मिलेगा।

इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर सर्विस लाइन को फिर से बदले जाने पर उपभोक्ता, नियम के मुताबिक भुगतान करेगा।

यदि वितरण तंत्र पर अधिक भार हो, तो इससे नेटवर्क पर दबाव बढ़ता है, जिससे ब्रेकडाउंस होते हैं। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि उन्हें सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, वे हमारे साथ सहयोग करें।

डीईआरसी के 01. 02. 2011 के दिशानिर्देशों का पूरा विवरण डीईआरसी की वेबसाइट www.derc.gov.in पर उपलब्ध है।

जनहित में जारी

NDMC | NDPL | BSES Rajdhani Power Limited | BSES Yamuna Power Limited

हम सुन रहे हैं ... डायल करें बीवाईपीएल – 399–99–808

अत्याधुनिक कस्टमर केयर

आपको और बेहतर उपभोक्ता सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीवाईपीएल और बीआरपीएल अगली पीढ़ी के अत्याधुनिक बिलिंग व कस्टमर केयर सिस्टम को अपनाने जा रही हैं। इसे एसएपी–आईएसयू के नाम से जाना जाता है। सिंगापुर पावर, चायना लाइट एंड पावर, ऑस्ट्रेलिया गैस एंड लाइट और सिटी ऑफ जोहानसबर्ग में खुद की उपयोगिता साबित कर चुकी इस नई तकनीक का फायदा निकट भविष्य में बीएसईएस के उपभोक्ताओं को भी मिलेगा। और, वे कई अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे।

बीवाईपीएल को मिला ग्रीनटेक सेफ्टी अवॉर्ड

इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा दिए गए नेशनल सेफ्टी इनोवेशन अवॉर्ड और इंडिया पावर अवॉर्ड के तुरंत बाद, बीवाईपीएल ने दसवां ग्रीनटेक सेफ्टी अवॉर्ड भी झटक लिया है।